ज्यादातर लोगों की सोच के विपरीत, वे लोग जो मगध के जादूगर कहे जाते हैं, वे न तो ज्योतिषी थे और न ही वे विद्वान ज्योतिष शास्त्र के ज्ञाता थे। वे न जादूगर थे और न ही तारों के वैज्ञानिक।

मगध के जादूगर वे लोग थे जो यहूदी नहीं थे (मतलब वे इस्राएलियों के वंशज नहीं थे)। बाइबिल कहती है कि वे पूर्व से आए थे। बाइबिल के समय “पूर्व” का मतलब बेबीलोन के आसपास या उससे भी दूर भारत के इलाकों से होता था। इसलिए वे यहूदी नहीं थे, बल्कि दूर देश के लोग थे।

फिर भी, वे इस्राएल के परमेश्वर को जानने के लिए बहुत प्रयासरत थे। ठीक उसी तरह जैसे कुस की रानी सबा (शेबा) जो दूर से आई थी और सुलैमान की बुद्धिमत्ता सुनने के लिए गई थी (मत्ती 12:42), या उस कुशी (इथियोपियाई) तोआशी का, जो यरूशलेम गया था और इस्राएल के परमेश्वर की पूजा करने लगा था (प्रेरितों के काम 8:26-40)।

इस प्रकार वे मगध के जादूगर भी वैसी ही स्थिति में थे। वे इस्राएल के वंशज नहीं थे, परन्तु दूर से परमेश्वर को खोजने आए थे।

परमेश्वर की यह प्रवृत्ति होती है कि वे उन लोगों को जो उन्हें खोजते हैं, खासतौर पर जो इस्राएल के वंशज नहीं होते, अद्भुत

चिह्न और संकेत देते हैं। उदाहरण के लिए, वह कुशी तोआशी, जो अफ्रीका से यरूशलेम की यात्रा पर था, उसे सिर्फ तोराह और इस्राएल के कुछ नबियों की पुस्तकें पता थीं। जब वह इशायाह के पुस्तक के अध्याय 53 को पढ़ रहा था, जिसमें मसीह के आने की भविष्यवाणी है, तो वह उसे समझ नहीं पाया। परमेश्वर ने दया दिखाई और अपने सेवक फिलिप्पुस को भेजा जिससे वह यह भविष्यवाणी समझ सके। जब वह विश्वास में आया, तब परमेश्वर ने उसे एक संकेत दिखाया — फिलिप्पुस अचानक गायब हो गया।

आइए इस भाग को पढ़ते हैं:

प्रेरितों के काम 8:26-40
26 प्रभु के एक स्वर्गदूत ने फिलिप्पुस से कहा, “चलो दक्षिण की ओर उस रास्ते पर जो यरूशलेम से गाजा तक जाता है, वह वीरान है।”
27 फिलिप्पुस चला गया और वहाँ एक कुशी (इथियोपियाई) को देखा जो तोआशी था, और कंदकई, कुस की रानी के अधीन था, जिसने पूरा खजाना संभाला था। वह यरूशलेम पूजा करने आया था।
28 वह अपने गाड़ी में बैठा था और नबी इशायाह की किताब पढ़ रहा था।
29 आत्मा ने फिलिप्पुस से कहा, “उस गाड़ी के पास जाओ और उसके साथ बने रहो।”
30 फिलिप्पुस भागा और सुना कि वह इशायाह का पठन कर रहा था। उसने पूछा, “क्या तुम जो पढ़ रहे हो उसे समझते हो?”

31 उसने जवाब दिया, “कैसे समझ पाऊं, जब कोई मुझे मार्गदर्शन नहीं करता?” और उसने फिलिप्पुस से कहा कि वह उसके साथ बैठ जाए।
32 वह श्लोक जो वह पढ़ रहा था, इस प्रकार था: “वह मेमने की तरह वधशाला की ओर ले जाया गया, और उस की जुबान न बंद हुई, जैसे मेमना अपने काटने वालों के आगे शांति से रहता है।
33 उसकी पीड़ा के कारण उसकी न्याय-यात्रा बंद हो गई। उसका वंश कौन बताएगा? क्योंकि उसका जीवन पृथ्वी से छीन लिया गया।”
34 तोआशी ने फिलिप्पुस से पूछा, “नबी यह बातें किसके बारे में कह रहा है? अपने बारे में या किसी और के बारे में?”
35 फिर फिलिप्पुस ने शुरू से श्लोकों की व्याख्या की और यीशु के सुसमाचार का प्रचार किया।
36 वे दोनों चलते हुए पानी के पास पहुँचे। तोआशी ने कहा, “देखो, पानी है, मुझे कौन रोक सकता है कि मैं बपतिस्मा न लूं?”
37 फिलिप्पुस ने कहा, “यदि तुम पूरे दिल से विश्वास करो, तो संभव है।” उसने कहा, “मैं विश्वास करता हूँ कि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है।”
38 उन्होंने गाड़ी रोकवाई, दोनों, फिलिप्पुस और तोआशी, पानी में उतरे और फिलिप्पुस ने उसे बपतिस्मा दिया।
39 जब वे पानी से बाहर आए, तो प्रभु की आत्मा ने फिलिप्पुस को उठा लिया, और तोआशी ने उसे फिर नहीं देखा, वह खुशी-खुशी अपने रास्ते चला गया।
40 फिलिप्पुस अजोथ में दिखा और वहाँ से गुजरते हुए सब शहरों में सुसमाचार प्रचार करता हुआ कैसरिया तक पहुँचा।

यह तोआशी न तो कोई जादूगर था, न जानता था कि लोग कैसे अचानक गायब हो जाते हैं, परन्तु वह उस संकेत को देखकर विश्वास कर गया। परमेश्वर ने उसे यह संकेत दिया ताकि वह विश्वास कर सके। परमेश्वर उसे कोई भी अन्य चिह्न दिखा सकता था, जैसे मूसा के हाथ का कुष्ठ रोग से होना और फिर ठीक होना, या सूरज को ठहराना, पर उसने यह संकेत चुना ताकि विश्वास करना आसान हो।

ठीक इसी तरह वे मगध के जादूगर भी इस्राएल के पैगम्बरों की किताबें पढ़ते थे और मसीह को जानने की जिज्ञासा में थे। तब परमेश्वर ने उन्हें यह “तारा” (सितारा) का संकेत दिया ताकि उन्हें मसीह की पहचान हो सके। परमेश्वर किसी भी चीज़ का इस्तेमाल कर सकता था—चाँद, समुद्र या कोई भी वस्तु। वह सीमाओं से परे है। उसने कभी बलुआम के गधे को भी प्रयोग किया था। लेकिन इस तारे के संकेत से वे जादूगर नहीं बने। वे सामान्य लोग थे जैसे चरवाहे जिन्हें स्वर्गदूतों ने मसीह के जन्म की खबर दी थी (लूका 2:8)।

परमेश्वर किसी भी वस्तु का इस्तेमाल कर सकता है। उसने मूसा के लिए छड़ी, बलुआम के लिए गधा, इस्राएलियों के लिए पहाड़, योशुआ के लिए सूरज, इस्राएलियों के लिए समुद्र का इस्तेमाल किया — और वह अब भी किसी भी वस्तु का उपयोग कर सकता है।

बाइबिल में लिखा है (भजन संहिता 97:6):

“आकाश ने उसकी धार्मिकता का ऐलान किया, और सब लोग उसकी महिमा
को देख रहे हैं।”

इसलिए वे मगध के जादूगर न तो जादूगर थे और न ही ज्योतिषी। वे ईश्वर की खोज में लगे साधारण लोग थे, और परमेश्वर ने उनके साथ विशेष चिह्नों के माध्यम से बात की।

आज भी परमेश्वर किसी भी तरह से हमसे बात कर सकता है, लेकिन वह चिह्न हमें केवल यीशु की ओर ले जाना चाहिए, किसी और की ओर नहीं। यदि कोई चिह्न हमें किसी और की ओर ले जाता है, तो वह हमारे शत्रु शैतान से है।

यह भी जरूरी है कि आज जो लोग इन मगध के जादूगरों के संदर्भ में ज्योतिष पढ़ाने की शिक्षा देते हैं, वे शैतान के द्वारा हैं। हमें सतर्क रहना चाहिए क्योंकि ऐसी शिक्षा लोगों को बांधती है, मुक्त नहीं करती।

भगवान हमें समझदारी दे।

मरानाथा।

यदि आप चाहें, तो मैं आपको ईश्वर के वचन की ऐसी शिक्षाएँ नियमित रूप से ईमेल या व्हाट्सएप पर भेज सकता हूँ। कृपया इस नंबर पर संदेश भेजें: +255693036618 या +255789001312।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp